

प्रश्न-पत्र पुस्तिका

QUESTION PAPER BOOKLET

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 32

Number of Pages in Booklet : 32

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 100

Number of Questions in Booklet : 100

समय / Time : 2.00 घंटे / Hours



बुकलेट
सीरीज

पूर्णांक / Maximum Marks : 100

INSTRUCTIONS

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answer is marked, it would be treated as wrong answer.
5. Answers are to be marked on the OMR Answer Sheet, provided separately.
6. Each question has four options marked serially as 1,2,3,4 out of which only one is correct. Candidate has to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLACK/BLUE BALL POINT PEN.
7. There is no Negative Marking.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please fill your Roll Number and Series printed on Question Paper Booklet on O.M.R. Answer Sheet, carefully and correctly.
10. If there is any sort of ambiguity / mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
11. Answer to the question by darkening multiple circles or by wrong method shall not be evaluated.
12. Answer to the question by using whitener or eraser or using any other method to erase the darkened circle, shall not be evaluated.

Warning : Candidate using unfair means in the exam will be disqualified & action as per law shall be taken.

निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जायेगा।
5. प्रश्नों के उत्तर पृथक से दिये गये ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित करें।
6. प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1,2,3,4 अंकित किया गया है, जिनमें से एक सही है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर-पत्रक पर नीले/काले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा करना है।
7. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।
8. परीक्षा हॉल में मोबाईल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र पूर्णतः वर्जित है। किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी वर्जित सामग्री पाये जाने पर उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी।
9. कृपया अपना रोल नम्बर एवं प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर अंकित सीरीज ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानी पूर्वक एवं सही भरें।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की अस्पष्टता/त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।
11. एक से अधिक गोले भरने या गलत तरीके से गोला भरने पर उस उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
12. भरे गये गोले को व्हाइटनर या रबड़ या किसी अन्य तरीके से मिटाने पर उस उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

चेतावनी : परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर अभ्यर्थी को अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा एवं विधिनुसार कार्यवाही की जायेगी।

1. Under the provisions of Rajasthan Rent Control Act, 2001, a landlord has a right to inspect the premises let out by him. Which of the following statement with reference to the inspection is incorrect?

- (1) The inspection can be done during day time only.
- (2) A prior intimation of at least three days to the tenant is necessary.
- (3) Such inspection can be carried out not more than once in three months.
- (4) None of the above.

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के प्रावधानों के अन्तर्गत एक भूस्वामी उसके द्वारा किराये पर दिये गये परिसर को निरीक्षण करने का अधिकार रखता है।

निरीक्षण के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन गलत है?

- (1) निरीक्षण केवल दिन के समय में ही किया जा सकता है।
- (2) किरायेदार को कम से कम तीन दिवस की पूर्व सूचना देना आवश्यक है।
- (3) ऐसा निरीक्षण तीन माह में एक बार से अधिक नहीं किया जा सकता है।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

2. A suit alleging 'public nuisance' can be instituted by;

- (A) Advocate General of the State.
- (B) By two or more persons, who have suffered the damage.
- (C) By two or more persons, with the leave of the Court, even though no special damage has been caused to them.
- (D) A member of the local body.

Which of the following combination is correct?

- (1) (A) & (B).
- (2) (A) & (C).
- (3) (B) & (D).
- (4) (C) & (D).

“लोक उत्पात” का वाद संस्थित किया जा सकता है;

(अ) राज्य के महाधिवक्ता द्वारा।

(ब) दो या अधिक व्यक्तियों द्वारा, जिन्हें नुकसान कारित हुआ है।

(स) दो या अधिक व्यक्तियों द्वारा, यद्यपि उन्हें कोई विशेष नुकसान कारित ना हुआ हो, न्यायालय की अनुमति से।

(द) स्थानीय निकाय के सदस्य द्वारा।

निम्न में से कौनसा संयोजन सही है?

- (1) (अ) तथा (ब)।
- (2) (अ) तथा (स)।
- (3) (ब) तथा (द)।
- (4) (स) तथा (द)।

3. Ashok lets a house to Bharat for five years. Bharat underlets the house to Kishore at a monthly rent of Rs. 2,000/-. The five years expire, but Kishore continues in possession of the house and pays the rent to Ashok. What is the status of Kishore?

- (1) Tenant holding over.
- (2) Trespasser.
- (3) Possession is unauthorised.
- (4) None of the above.

अशोक एक मकान पांच वर्षों के लिये भरत को किराये पर देता है। भरत उक्त मकान को 2000/- रुपये प्रतिमाह पर उप-किराये पर किशोर को दे देता है। पांच वर्ष व्यतीत हो जाते हैं परन्तु किशोर निरन्तर उक्त मकान पर काबिज है तथा अशोक को किराया अदा करता रहता है। किशोर की स्थिति क्या है?

- (1) आस्थगित किरायेदार।
- (2) अतिक्रमी।
- (3) अप्राधिकृत कब्जाधारक।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

4. The executive power of the State is vested in:

- (1) Chief Secretary of the State.
- (2) Chief Minister of the State.
- (3) Chief Executive Officer.
- (4) The Governor.

राज्य की कार्यकारी शक्ति निहित है:

- (1) राज्य के मुख्य सचिव में।
- (2) राज्य के मुख्यमंत्री में।
- (3) मुख्य कार्यकारी अधिकारी में।
- (4) राज्यपाल में।

5. Decree for payment of money passed against a woman cannot be executed:

- (1) by proceeding against her legal representatives, if she dies.
- (2) by attachment and sale of her property.
- (3) by appointing a receiver.
- (4) by her arrest and detention in prison.

महिला के विरुद्ध पारित धन के संदाय की डिक्री निष्पादित नहीं की जा सकती है:

- (1) यदि महिला की मृत्यु हो जाती है तो उसके विधिक प्रतिनिधियों के विरुद्ध कार्यवाही द्वारा।
- (2) उसकी सम्पत्ति की कुर्की तथा विक्रय द्वारा।
- (3) एक प्रापक की नियुक्ति द्वारा।
- (4) उसकी गिरफ्तारी और कारागार में निरोध द्वारा।

SEAL

6. "Where a plaintiff omits to sue in respect of, or intentionally relinquishes any portion of his claim, he shall not afterwards sue in respect of the portion so omitted or relinquished".

The genesis of this principle lies in;

- (1) Section 115 of the Indian Evidence Act, 1872
- (2) Section 11 of the Code of Civil Procedure, 1908
- (3) Order II Rule 2 of the Code of Civil Procedure, 1908
- (4) Order I Rule 2 of the Code of Civil Procedure, 1908

"जहां वादी अपने दावे के किसी भाग के बारे में वाद लाने का लोप करता है या उसे साशय त्याग देता है, वहां उसके पश्चात वह इस प्रकार लोप किये गये या त्यक्त भाग के बारे में वाद नहीं लायेगा"।

इस सिद्धान्त की उत्पत्ति निहित है;

- (1) भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 115 में।
- (2) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 11 में।
- (3) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश II नियम 2 में।
- (4) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश I नियम 2 में।

7. On rejection of plaint under provisions of Order VII Rule 11 Code of Civil Procedure, 1908, presenting of a fresh plaint in respect of the same cause of action, is;

- (1) Barred by principles of Res judicata.
- (2) On its own force, does not preclude the plaintiff from presenting a fresh plaint.
- (3) Barred under Order XXIII.
- (4) None of the above.

आदेश VII नियम 11 व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के प्रावधानों के अन्तर्गत वादपत्र के नामजूर किए जाने पर, उसी वाद हेतुक के बारे में नया वादपत्र प्रस्तुत करना;

- (1) प्राङ्गन्याय के सिद्धान्तों द्वारा वर्जित है।
- (2) केवल नामजुरी के कारण ही, वादी नया वादपत्र प्रस्तुत करने से प्रवारित नहीं हो जाएगा।
- (3) आदेश XXIII के अन्तर्गत वर्जित है।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

8. 'Rule in *Heydon's case*' is also known as;

- (1) Purposive construction.
- (2) *Casus omissus*.
- (3) Literal construction.
- (4) Harmonious construction.

'Rule in *Heydon's case*', के रूप में भी जाना जाता है;

- (1) सप्रयोजन अर्थान्वयन।
- (2) संविधि से अनुपबंधित विषय
- (3) शाब्दिक अर्थान्वयन।
- (4) समरसतापूर्ण अर्थान्वयन।

9. The Indian Evidence Act, 1872 applies to;

- (1) Proceedings before an arbitrator.
- (2) Departmental proceedings.
- (3) Judicial proceedings before courts.
- (4) None of the above.

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 लागू होता है;

- (1) मध्यस्थ के समक्ष कार्यवाहियों पर।
- (2) विभागीय कार्यवाहियों पर।
- (3) न्यायालयों के समक्ष न्यायिक कार्यवाहियों पर।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

10. Who amongst the following cannot be appointed as Advocate General;

- (1) An advocate of 66 years of age.
- (2) An advocate who has not practiced in such State.
- (3) An advocate having 07 years of practice at Bar.
- (4) All of the above.

निम्न में से कौन, महाधिवक्ता नियुक्त नहीं किया जा सकता है;

- (1) 66 वर्ष की आयु का एक अधिवक्ता।
- (2) एक अधिवक्ता, जिसने उस राज्य में वकालत नहीं की हो।
- (3) एक अधिवक्ता, जिसकी 07 वर्ष की वकालत हो।
- (4) उपरोक्त सभी।

11. Which of the following statement is incorrect?

- (1) An agreement made without consideration is void irrespective of the circumstances.
- (2) Every agreement in restraint of marriage of any person, other than minor, is void.
- (3) Every agreement by which anyone is restrained from exercising a lawful profession, trade or business of any kind, is to that extent void.
- (4) Agreements, the meaning of which is not certain or capable of being made certain, are void.

निम्न में से कौनसा कथन गलत है?

- (1) बिना प्रतिफल के किया गया करार हर परिस्थिति में शून्य होता है।
- (2) ऐसा प्रत्येक करार शून्य है जो अप्राप्तवय से भिन्न किसी व्यक्ति के विवाह के अवरोधार्थ है।
- (3) ऐसा प्रत्येक करार, जिससे कोई व्यक्ति किसी प्रकार की विधिपूर्ण वृत्ति, व्यापार या कारोबार करने से अवरुद्ध किया जाता है, उस विस्तार तक शून्य है।
- (4) वे करार, जिनका अर्थ निश्चित नहीं है अथवा निश्चित किया जाना शक्य नहीं है, शून्य हैं।

12. For the purpose of Limitation Act, 1963, a suit in the case of a pauper, is instituted;

- (1) When the plaint is presented to the proper office.
- (2) When application for leave to sue as a pauper is made.
- (3) When the application seeking leave to sue as a pauper is granted.
- (4) None of the above.

SEAL

परिसीमा अधिनियम, 1963 के प्रयोजनार्थ अकिंचन की दशा में वाद संस्थित होता है;

- (1) जब समुचित कार्यालय में वादपत्र प्रस्तुत किया जाता है।
- (2) जब अकिंचन के रूप में वाद लाने की अनुमति का आवेदन किया जाता है।
- (3) जब अकिंचन के रूप में वाद लाने की अनुमति का आवेदन पत्र स्वीकार किया जाता है।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

13. Which of the following contracts can be enforced?

- (1) A contract for the non-performance of which compensation is an adequate relief.
- (2) A contract which is in its nature determinable.
- (3) A contract the performance whereof involves the performance of a continuous duty.
- (4) Purchase of a share of a partner in a firm.

निम्न में से कौनसी संविदा का प्रवर्तन कराया जा सकता है?

- (1) वह संविदा जिसके अपालन के लिये प्रतिकर एक यथायोग्य अनुतोष हो।
- (2) वह संविदा जो अपनी प्रकृति से ही पर्यवसेय हो।
- (3) वह संविदा जिसके पालन में सतत् कर्तव्य का पालन अन्तर्विलित हो।
- (4) फर्म के एक भागीदार के हिस्से का क्रय।

14. Section 43 of the Transfer of Property Act, 1882, which deals with transfer by unauthorised person who subsequently acquires interest in immovable property transferred, underlines doctrine of;

- (1) Actionable claims.
- (2) Estoppel by deed.
- (3) Estoppel by election.
- (4) Right of pre-emption.

सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 की धारा 43 जो कि अप्राधिकृत व्यक्ति, जो अन्तरित अचल सम्पत्ति में बाद में हित अर्जित कर लेता है, के द्वारा किये गये अन्तरण से सम्बन्धित है, सिद्धान्त को रेखांकित करता है;

- (1) अनुयोज्य दावे।
- (2) विलेख द्वारा विबन्धन।
- (3) चुनाव द्वारा विबन्धन।
- (4) अग्रक्रयाधिकार का अधिकार।

15. Which provision in Code of Civil Procedure, 1908 bars entertainment of application to review an order made on an application for a review or a decree or order passed or made on a review;

- (1) Section 11
- (2) Section 10
- (3) Order XLVII Rule 9
- (4) Order IX Rule 9

व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 में कौनसा प्रावधान पुनर्विलोकन के आवेदन पर किये गये आदेश के या पुनर्विलोकन में पारित डिक्री या किये गये आदेश के पुनर्विलोकन के लिये आवेदन ग्रहण करने को वर्जित करता है;

- (1) धारा 11
- (2) धारा 10
- (3) आदेश XLVII नियम 9
- (4) आदेश IX नियम 9

16. Which provision of Rajasthan Rent Control Act, 2001 deals with permission to enter into the limited period tenancy and for grant of certificate for recovery of possession?

- (1) Section 6
- (2) Section 7
- (3) Section 8
- (4) Section 9

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 का कौनसा प्रावधान सीमित कालावधि की किरायेदारी करने की अनुज्ञा देने और कब्जे की पुनः प्राप्ति का प्रमाण-पत्र देने को संव्यवहारित करता है?

- (1) धारा 6
- (2) धारा 7
- (3) धारा 8
- (4) धारा 9

17. What is the remedy available to an aggrieved party against a final order passed by the Rent Tribunal constituted under the Rajasthan Rent Control Act, 2001?

- (1) Writ petition under Article 226/227 of the Constitution of India.
- (2) Appeal to High Court under Section 96 of the Code of Civil Procedure.
- (3) Appeal under Section 19(6) of the Rajasthan Rent Control Act, 2001.
- (4) No remedy, order is final.

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के अन्तर्गत गठित किराया अधिकरण द्वारा पारित अंतिम आदेश के विरुद्ध एक व्यथित पक्षकार को क्या उपचार उपलब्ध है?

- (1) भारत के संविधान के अनुच्छेद 226/227 के अन्तर्गत रिट याचिका।
- (2) व्यवहार प्रक्रिया संहिता की धारा 96 के अन्तर्गत उच्च न्यायालय में अपील।
- (3) राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 की धारा 19(6) के अन्तर्गत अपील।
- (4) आदेश अन्तिम है, कोई उपचार उपलब्ध नहीं।

18. 'A' and 'B' contract that 'A' shall build a house for 'B' at a fixed price. The order in which reciprocal promises are to be performed was not fixed. What shall be the order of performance?

- (1) A's promise to build the house must be performed before B's promise to pay for the house.
- (2) B's promise to pay for the house must be performed before A's promise to build the house.
- (3) A & B should perform their promise simultaneously.
- (4) None of the above.

'क' और 'ख' संविदा करते हैं कि 'क' नियत कीमत पर 'ख' के लिये एक मकान बनायेगा। वह क्रम, जिससे व्यक्तिकारी वचनों का पालन किया जाना है, नियत नहीं किये गये। पालना का क्रम क्या होगा?

- (1) 'क' को मकान बनाने के वचन का पालन, 'ख' के मकान के लिये भुगतान करने के वचन से पहले करना होगा।
- (2) 'ख' को मकान के लिये भुगतान करने के वचन का पालन, 'क' के मकान बनाने के वचन से पहले करना होगा।
- (3) 'क' तथा 'ख' को अपने वचन का पालन एक साथ करना होगा।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

19. The rule of construction '*Nocsitur a sociis*' means;

- (1) The meaning of a word is to be judged by the company it keeps.
- (2) To reconcile incompatibility between the specific and general words.
- (3) No word in a statute is superfluous.
- (4) None of the above.

अर्थान्वयन का नियम '*Nocsitur a sociis*' से अभिप्राय है;

- (1) शब्द का अर्थ आसपास के शब्दसमूह से निकाला जाता है।
- (2) विशिष्ट एवं सामान्य शब्दों के मध्य की असंगति में सामंजस्य करना।
- (3) विधि में कोई शब्द अनावश्यक नहीं है।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

20. Which of the Acts & Regulations cannot be declared unconstitutional by High Courts and Supreme Court?

- (1) Acts & Regulations concerning persons from Scheduled Castes & Scheduled Tribes.
- (2) Acts & Regulations concerning Parliament & its members.
- (3) Acts & Regulations enlisted in Schedule VII of the Constitution.
- (4) Acts & Regulations enlisted in Schedule IX of the Constitution.

उच्च न्यायालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा कौन से अधिनियमों एवं विनियमों को असंवैधानिक घोषित नहीं किया जा सकता है?

- (1) अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जन जातियों के व्यक्तियों से संबंधित अधिनियमों एवं विनियमों को।
- (2) संसद एवं इसके सदस्यों से संबंधित अधिनियमों एवं विनियमों को।
- (3) संविधान की अनुसूची VII में सूचीबद्ध अधिनियमों एवं विनियमों को।
- (4) संविधान की अनुसूची IX में सूचीबद्ध अधिनियमों एवं विनियमों को।

21. Special provisions as to evidence relating to electronic record were inserted in the Indian Evidence Act, 1872;

- (1) In the form of Section 65-B w.e.f. 17.10.2000.
- (2) In the form of Section 68-B w.e.f. 17.10.2000.
- (3) In the form of Section 65-B w.e.f. 12.08.2002.
- (4) In the form of Section 68-B w.e.f. 12.08.2002.

इलैक्ट्रॉनिक अभिलेख से सम्बन्धित साक्ष्य के विशेष प्रावधानों को भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 में जोड़ा गया था;

- (1) धारा 65-ख के रूप में, दिनांक 17.10.2000 से प्रभावी।
- (2) धारा 68-ख के रूप में, दिनांक 17.10.2000 से प्रभावी।
- (3) धारा 65-ख के रूप में, दिनांक 12.08.2002 से प्रभावी।
- (4) धारा 68-ख के रूप में, दिनांक 12.08.2002 से प्रभावी।

22. A mutual mistake of the parties in an instrument, which does not express their real intention, can be got rectified by either party to the instrument;

- (1) By instituting a suit under Registration Act, 1908.
- (2) By filing an application under Section 152 of the Code of Civil Procedure, 1908.
- (3) By instituting a suit under Section 26 of the Specific Relief Act, 1963.
- (4) Cannot be rectified.

एक लिखत में, पक्षकारों की पारस्परिक भूल जो कि उनके वास्तविक आशय को अभिव्यक्त नहीं करती है, लिखत के किसी भी पक्षकार द्वारा परिशोधित करवाई जा सकती है;

- (1) पंजीकरण अधिनियम, 1908 के अन्तर्गत वाद संस्थित करके।
- (2) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 152 के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत करके।
- (3) विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 26 के अन्तर्गत वाद संस्थित करके।
- (4) परिशोधित नहीं करवाई जा सकती है।

23. Power to amend the issue or frame additional issues prior to passing of a decree vests in a Court by virtue of which provision of the Code of Civil Procedure, 1908?

- (1) Order XIV Rule 1
- (2) Order XIV Rule 5
- (3) Order XIV Rule 6
- (4) Section 151

व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के किस प्रावधान के आधार पर डिक्री पारित करने से पूर्व विवाद्यक को संशोधित करने अथवा अतिरिक्त विवाद्यकों को विरचित करने की शक्ति न्यायालय में निहित है?

- (1) आदेश XIV नियम 1
- (2) आदेश XIV नियम 5
- (3) आदेश XIV नियम 6
- (4) धारा 151

24. A Judge of a High Court may by writing under his hand, resign his office. To whom such resignation should be addressed?

- (1) Chief Justice of the High Court.
- (2) Chief Justice of India.
- (3) Governor of the State.
- (4) President of India.

उच्च न्यायालय का कोई न्यायाधीश अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकता है। ऐसा त्यागपत्र किसे संबोधित किया जायेगा?

- (1) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को।
- (2) भारत के मुख्य न्यायाधीश को।
- (3) राज्य के राज्यपाल को।
- (4) भारत के राष्ट्रपति को।

25. In case of repugnancy between the law made by the Parliament and the law made by the State Legislature, with respect to any matter enumerated in concurrent list;

- (1) by virtue of Article 246 of Constitution of India, law made by the Parliament shall prevail.
- (2) by virtue of Article 246 of Constitution of India, law made by State Legislature shall prevail.
- (3) by virtue of Article 254 of Constitution of India, law made by Parliament shall prevail.
- (4) by virtue of Article 254 of Constitution of India, law made by State Legislature shall prevail.

समवर्ती सूची में प्रगणित किसी विषय के संबंध में संसद द्वारा बनाई गई विधि तथा राज्य के विधान-मंडल द्वारा बनाई गई विधि में विरोध होने की दशा में;

- (1) भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के आधार पर संसद द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।
- (2) भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के आधार पर राज्य के विधान-मंडल द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।
- (3) भारत के संविधान के अनुच्छेद 254 के आधार पर संसद द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।
- (4) भारत के संविधान के अनुच्छेद 254 के आधार पर राज्य के विधान-मंडल द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।

26. Which provision of the Constitution of India abolished 'Untouchability' and forbids its practise in any form?

- (1) Article 14
- (2) Article 15
- (3) Article 16
- (4) Article 17

भारत के संविधान का कौनसा प्रावधान 'अस्पृश्यता' का अन्त और उसके किसी भी रूप में आचरण को निषिद्ध करता है?

- (1) अनुच्छेद 14
- (2) अनुच्छेद 15
- (3) अनुच्छेद 16
- (4) अनुच्छेद 17

27. Complete the statement - A Court cannot issue commission;

- (1) to examine any person.
- (2) to make a partition.
- (3) to collect evidence.
- (4) to examine or adjust accounts.

कथन को पूर्ण करें - एक न्यायालय कमीशन जारी नहीं कर सकता है;

- (1) किसी व्यक्ति की परीक्षा के लिए।
- (2) बंटवारे के लिए।
- (3) साक्ष्य एकत्रित करने के लिए।
- (4) लेखाओं की परीक्षा या समायोजन के लिए।

28. Which of the provision of the Code of Civil Procedure, 1908 provides that the objection regarding territorial or pecuniary jurisdiction has to be raised at the first available opportunity?

- (1) Section 10
- (2) Section 11
- (3) Section 20
- (4) Section 21

व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 का कौनसा प्रावधान उपबंधित करता है कि स्थानीय अथवा धन संबंधित क्षेत्राधिकार के बारे में आपत्ति प्रथम उपलब्ध अवसर पर ही उठानी होगी?

- (1) धारा 10
- (2) धारा 11
- (3) धारा 20
- (4) धारा 21

29. The words "SOCIALIST SECULAR" were inserted in the Preamble of the Constitution by which constitutional amendment?

- (1) Forty First amendment.
- (2) Forty Second amendment.
- (3) Forty Fourth amendment.
- (4) Forty Sixth amendment.

किस संवैधानिक संशोधन द्वारा संविधान की उद्देशिका में "समाजवादी पंथ निरपेक्ष" शब्दों को जोड़ा गया था?

- (1) 41वें संशोधन द्वारा।
- (2) 42वें संशोधन द्वारा।
- (3) 44वें संशोधन द्वारा।
- (4) 46वें संशोधन द्वारा।

30. Which provision of the Constitution confers upon a High Court the power to punish for contempt of itself?

- (1) Article 215
- (2) Article 217
- (3) Article 225
- (4) Article 226

संविधान का कौनसा प्रावधान उच्च न्यायालय को स्वयं की अवमानना के लिये दण्डित करने की शक्ति प्रदान करता है?

- (1) अनुच्छेद 215
- (2) अनुच्छेद 217
- (3) अनुच्छेद 225
- (4) अनुच्छेद 226

SEAL

31. Which of the following facts are required to be proved?

- (1) All laws in force in the territory of India.
- (2) Public festivals and holidays notified in official Gazette.
- (3) The Rules of the road.
- (4) None of the above.

निम्न में से कौनसे तथ्यों को साबित किया जाना आवश्यक है?

- (1) भारत के राज्यक्षेत्र में प्रवृत्त समस्त विधियां।
- (2) शासकीय राजपत्र में अधिसूचित लोक उत्सव एवं अवकाश।
- (3) भूमि पर मार्ग का नियम।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

32. The period of limitation for filing a suit to set aside transfer of property made by a guardian of a ward, by the ward's legal representative, when the ward dies before attaining majority, is;

- (1) Three years from the date when the ward would have become major.
- (2) Three years from the date when such fact comes to the notice of the legal representative.
- (3) Three years from the date of death of the ward.
- (4) Twelve years from the date of the transfer.

प्रतिपाल्य के विधिक प्रतिनिधि द्वारा, प्रतिपाल्य के संरक्षक द्वारा किये गये सम्पत्ति के अन्तरण को जबकि प्रतिपाल्य प्राप्तवय होने से पूर्व मर जाता है, अपास्त करने के लिये दावा करने की परिसीमन अवधि है;

- (1) उस दिनांक से तीन वर्ष, जब प्रतिपाल्य प्राप्तवय हो गया होता।
- (2) उक्त तथ्य के विधिक प्रतिनिधि की जानकारी में आने की दिनांक से तीन वर्ष।
- (3) प्रतिपाल्य की मृत्यु की दिनांक से तीन वर्ष।
- (4) अन्तरण की दिनांक से बारह वर्ष।

33. Under which provision of Code of Civil Procedure, restoration or setting aside of orders passed ex parte can be sought regarding an application filed under Order XXI of CPC which has been dismissed for non appearance or decided *ex parte*?

- (1) Order IX Rule 13
- (2) Order XXI Rule 58
- (3) Order XXI Rule 106
- (4) Order XXI Rule 100

व्यवहार प्रक्रिया संहिता के किस प्रावधान के अन्तर्गत, आदेश XXI व्य.प्र.सं. के अधीन प्रस्तुत एक आवेदन के एक पक्षीय रूप से निर्णित किये जाने या अनुपस्थिति में खारिज किये जाने के आदेशों की पुनर्स्थापना अथवा अपास्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है?

- (1) आदेश IX नियम 13
- (2) आदेश XXI नियम 58
- (3) आदेश XXI नियम 106
- (4) आदेश XXI नियम 100

34. The period of limitation for filing a suit relating to tort against one who, having right to use property for specific purpose, perverts it to other purpose is;

- (1) One year from the date the perversion first becomes known to the person injured.
- (2) Two years from the date the perversion first becomes known to the person injured.
- (3) Three Years from the date the perversion first becomes known to the person injured.
- (4) Four years from the date the perversion first becomes known to the person injured.

ऐसे व्यक्ति, जो किसी सम्पत्ति का विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के उपयोग करने का अधिकार रखते हुए उसे अन्य प्रयोजनों के लिये दुरुपयोजन कर ले, के विरुद्ध अपकृत्य सम्बन्धी वाद संस्थित करने की परिसीमा अवधि है;

- (1) क्षतिग्रस्त व्यक्ति को प्रथम बार दुरुपयोजन के ज्ञात होने की दिनांक से एक वर्ष।
- (2) क्षतिग्रस्त व्यक्ति को प्रथम बार दुरुपयोजन के ज्ञात होने की दिनांक से दो वर्ष।
- (3) क्षतिग्रस्त व्यक्ति को प्रथम बार दुरुपयोजन के ज्ञात होने की दिनांक से तीन वर्ष।
- (4) क्षतिग्रस्त व्यक्ति को प्रथम बार दुरुपयोजन के ज्ञात होने की दिनांक से चार वर्ष।

35. The principle of '*force majeure*' emanates from which provision of the Indian Contract Act, 1872?

- (1) Section 52
- (2) Section 54
- (3) Section 56
- (4) Section 58

अप्रत्याशित घटना (*force majeure*) का सिद्धान्त, भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के किस प्रावधान से उत्पन्न होता है?

- (1) धारा 52
- (2) धारा 54
- (3) धारा 56
- (4) धारा 58

36. Under which provision, can the Court issue a warrant of arrest against a person released on bail and require him to furnish sufficient sureties?

- (1) Section 440 Cr.P.C.
- (2) Section 446 Cr.P.C.
- (3) Section 441 Cr.P.C.
- (4) Section 443 Cr.P.C.

किस प्रावधान के अन्तर्गत न्यायालय जमानत पर रिहा किये गये एक व्यक्ति के विरुद्ध गिरफ्तारी वारण्ट जारी कर सकता है और उससे पर्याप्त प्रतिभू पेश करने की अपेक्षा कर सकता है?

- (1) धारा 440 दण्ड प्रक्रिया संहिता।
- (2) धारा 446 दण्ड प्रक्रिया संहिता।
- (3) धारा 441 दण्ड प्रक्रिया संहिता।
- (4) धारा 443 दण्ड प्रक्रिया संहिता।

37. In which of the following, the Hon'ble Supreme Court held that in a case arising from Negotiable Instruments Act, successive sentences may be directed to run concurrently if both transactions are part of single transaction?

- (1) (2010) 5 SCC 663, Damodar S.Prabhu Vs. Sayed Babalal H.
- (2) (2016) 3 SCC 1, Don Ayengia Vs. State of Assam & Ors.
- (3) (2009) 1 SCC 706, Mahindra & Mahindra Financial Services Ltd. & Anr. Vs. Rajiv Dubey.
- (4) (2016) 10 SCC 761, Shyam Pal Vs. Dayawati Besoya & Ors.

निम्न में से किसमें, माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया गया है कि परक्राम्य लिखत अधिनियम से उत्पन्न मामले में यदि दोनों संव्यवहार एक ही संव्यवहार के भाग हों तो अनुक्रमिक दण्डों को समवर्ती रूप से चलाने का आदेश दिया जा सकेगा?

- (1) (2010) 5 एस.सी.सी. 663, दामोदर एस. प्रभू बनाम सैयद बाबालाल एच.।
- (2) (2016) 3 एस.सी.सी. 1, डोन ऐन्जिया बनाम असम राज्य एवं अन्य।
- (3) (2009) 1 एस.सी.सी. 706, महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा फाइनेन्सियल सर्विसेज लि. एवं अन्य बनाम राजीव दुबे।
- (4) (2016) 10 एस.सी.सी. 761, श्याम पाल बनाम दयावती बसोया एवं अन्य।

38. Which provision of Indian Evidence Act stipulates that the fact of a woman being habituated to sexual intercourse will not be relevant on the issue of consent in a prosecution for rape or outraging the modesty of the said woman?

- (1) Section 50
- (2) Section 53-A
- (3) Section 54
- (4) Section 51

भारतीय साक्ष्य अधिनियम का कौनसा प्रावधान यह उपबंधित करता है कि एक महिला के लैंगिक संभोग के अभ्यस्तन होने का तथ्य, बलात्संग या उक्त महिला की लज्जा भंग के अभियोजन में सहमति के बिन्दु के संदर्भ में, सुसंगत नहीं होगा?

- (1) धारा 50
- (2) धारा 53-क
- (3) धारा 54
- (4) धारा 51

39. In reference to the trial of summons cases by a Magistrate, which of the following statements is correct?

- (1) The Court shall frame charge after hearing the accused and the prosecution.
- (2) The Court may discharge the accused after hearing the prosecution and the accused.
- (3) There is no requirement for the Court to hear the accused and the particulars of the offence shall be stated to him.
- (4) None of the above.

एक मजिस्ट्रेट द्वारा समन मामलों के विचारण के संदर्भ में, निम्न में से कौनसा कथन सही है?

- (1) न्यायालय अभियुक्त तथा अभियोजन को सुनने के पश्चात आरोप विरचित करेगा।
- (2) न्यायालय अभियोजन तथा अभियुक्त को सुनने के पश्चात अभियुक्त को उन्मोचित कर सकेगा।
- (3) अभियुक्त को सुनने की न्यायालय के लिए कोई बाध्यता नहीं है तथा उसे अपराध की विशिष्टियां बताई जायेंगी।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

40. Ram while going on pilgrimage, entrusted a box containing jewellery to his neighbour Shayam. Shayam dishonestly with the intent to commit mischief, breaks open the box without having any authority. Shayam has committed the offence of;

- (1) Section 406 of Indian Penal Code.
- (2) Section 379 of Indian Penal Code.
- (3) Section 462 of Indian Penal Code.
- (4) None of the above.

राम तीर्थयात्रा पर जाते समय अपना संदूक जिसमें गहने हैं, अपने पड़ोसी श्याम को न्यस्त करके जाता है। श्याम उक्त संदूक को बिना किसी प्राधिकार के बेईमानीपूर्वक, रिष्टी करने के आशय से तोड़कर खोल लेता है। श्याम द्वारा अपराध किया गया है;

- (1) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 406 का।
- (2) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 379 का।
- (3) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 462 का।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

41. In which of the following situations, the general principle of presumption of innocence of a child in conflict with law shall not be applicable?

- (1) When the child is charged for the offence of murder punishable under Section 302 of IPC.
- (2) When the child is charged for the offence of gang rape punishable under Section 376(2)(g) of IPC.
- (3) Where the Juvenile Justice Board has passed an order under Section 15 read with Section 18(3) of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act that the child should be tried as an adult.
- (4) None of the above.

निम्न में से कौनसी स्थितियों में विधि का उल्लंघन करने वाले बालक के निर्दोष होने की उपधारणा का सामान्य सिद्धान्त लागू नहीं होगा?

- (1) जब बालक पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302 के अंतर्गत दण्डनीय हत्या के अपराध का आरोप है।
- (2) जब बालक पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376(2)(ज) के अंतर्गत दण्डनीय सामूहिक बलात्संग के अपराध का आरोप है।
- (3) जब किशोर न्याय बोर्ड द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम की धारा 15 सपठित धारा 18 (3) के अंतर्गत आदेश पारित किया गया है कि बालक का विचारण एक वयस्क की तरह किया जाए।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

42. A Police Officer receives a sum of Rs. 5000/- as fine from a traffic violator. He deposits the amount in the Treasury three months after the stipulated period. He commits;

- (1) Offence punishable under Section 407 IPC.
- (2) Offence punishable under Section 409 IPC.
- (3) Offence punishable under Section 420 IPC.
- (4) None of the above.

एक पुलिस अधिकारी, यातायात उल्लंघनकर्ता से 5000/- रुपये की राशि जुर्माने के रूप में प्राप्त करता है। वह उक्त राशि नियत अवधि के तीन माह पश्चात राजकोष में जमा करवाता है। वह करता है;

- (1) धारा 407 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत दण्डनीय अपराध।
- (2) धारा 409 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत दण्डनीय अपराध।
- (3) धारा 420 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत दण्डनीय अपराध।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

43. Under which provision of law, the Court while considering the case of a person convicted for an offence not punishable with death or imprisonment of life, is under an obligation to call for the report of Probation Officer?

- (1) Section 9 of the Probation of Offenders Act
- (2) Section 7 of the Probation of Offenders Act
- (3) Section 4 of the Probation of Offenders Act
- (4) None of the above.

विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत, न्यायालय मृत्यु या आजीवन कारावास से भिन्न किसी अपराध हेतु दोषसिद्ध किसी व्यक्ति के मामले को विचारित करते समय परिवीक्षा अधिकारी की रिपोर्ट मंगवाने हेतु आबद्ध है?

- (1) अपराधी परिवीक्षा अधिनियम की धारा 9
- (2) अपराधी परिवीक्षा अधिनियम की धारा 7
- (3) अपराधी परिवीक्षा अधिनियम की धारा 4
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

44. A person (payee) signs a blank cheque and gives the same to another person (holder) and the holder fills up the blank space pertaining to amount and date and presents the same in his bank account and it is dishonoured. In such a situation, which of the following statement would be correct?

- (1) The holder has committed forgery.
- (2) The cheque will have to be treated as invalid.
- (3) The Bank would not accept the cheque.
- (4) The holder will be entitled to maintain a complaint filed upon the cheque being dishonoured upon being presented in the bank.

एक व्यक्ति (आदाता) एक खाली चैक हस्ताक्षरित करता है तथा उसे दूसरे व्यक्ति (धारक) को देता है तथा धारक राशि व दिनांक हेतु निर्धारित खाली स्थान को भरता है तथा इसे अपने बैंक खाते में प्रस्तुत करता है तथा यह अनादरित हो जाता है। ऐसी स्थितियों में निम्न में से कौनसा कथन सही है?

- (1) धारक ने कूटरचना की है।
- (2) चैक को अवैध माना जायेगा।
- (3) चैक को बैंक स्वीकार नहीं करेगा।
- (4) धारक को, बैंक में चैक प्रस्तुत करने पर अनादरित हो जाने का परिवाद प्रस्तुत करने का अधिकार होगा।

45. In which celebrated judgment, did the Hon'ble Supreme Court classified the witnesses into three categories (i) wholly reliable, (ii) wholly unreliable, (iii) neither wholly reliable nor wholly unreliable?

- (1) AIR 1957 SC 614, Vadivelu Thevar Vs. State of Madras.
- (2) AIR 1974 SC 276, Guli Chand & Ors. Vs. State of Rajasthan.
- (3) AIR 2012 SC 1357, Ramnaresh & Ors. Vs. State of Chhattisgarh.
- (4) (1994) 2 SCC 467, Bheru Singh Vs. State of Rajasthan.

किस प्रख्यात निर्णय में माननीय उच्चतम न्यायालय ने साक्षियों को तीन वर्गों (i) पूर्णतया विश्वसनीय (ii) पूर्णतया अविश्वसनीय (iii) ना तो पूर्णतया विश्वसनीय, ना ही पूर्णतया अविश्वसनीय, में वर्गीकृत किया था?

- (1) ए.आई.आर. 1957 सु.को. 614, वेदिवेलु थेवर बनाम मद्रास राज्य।
- (2) ए.आई.आर. 1974 सु.को. 276, गुलीचन्द एवं अन्य बनाम राजस्थान राज्य।
- (3) ए.आई.आर. 2012 सु.को. 1357, रामनरेश एवं अन्य बनाम छत्तीसगढ़ राज्य।
- (4) (1994) 2 एस.सी.सी. 467, भैरु सिंह बनाम राजस्थान राज्य।

46. When a child in conflict with law is in custody while undergoing trial, is declared adult under Section 18(3) of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act upon crossing the age of 18 years during the course of trial, Which of the following option is available to the trial court in such a situation?

- (1) To allow the child to go home after advise or admonition.
- (2) To drop the proceedings and release the child from custody forthwith.
- (3) To direct the child to be released on probation of good conduct.
- (4) Send the child to a place of safety.

जब विधि का उल्लंघन करने वाला किशोर जो अभिरक्षा में है, को विचारण के दौरान 18 वर्ष की आयु पार करने पर किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम की धारा 18(3) के अंतर्गत वयस्क घोषित किया जाता है, उक्त स्थिति में विचारण न्यायालय के पास निम्न में से कौनसा विकल्प उपलब्ध है?

- (1) बालक को परामर्श अथवा भर्त्सना के पश्चात घर जाने को अनुज्ञात करना।
- (2) कार्यवाहियों को समाप्त करके बालक को अविलम्ब अभिरक्षा से निर्मुक्त करना।
- (3) बालक को सदाचरण की परिवीक्षा पर छोड़ने का निर्देश देना।
- (4) बालक को सुरक्षित स्थान पर भेजना।

47. Under which provision of law, a body incorporate is required to appoint an authorised representative for the purpose of inquiry or trial before a criminal court?

- (1) Section 302 of Cr.P.C.
- (2) Section 303 of Cr.P.C.
- (3) Section 305 of Cr.P.C.
- (4) None of the above.

विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत, किसी दाण्डिक न्यायालय के समक्ष जांच या विचारण के प्रयोजनार्थ एक अधिकृत प्रतिनिधि नियुक्त करना, एक निगमित निकाय से अपेक्षित है?

- (1) धारा 302 दण्ड प्रक्रिया संहिता।
- (2) धारा 303 दण्ड प्रक्रिया संहिता।
- (3) धारा 305 दण्ड प्रक्रिया संहिता।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

48. Which of the following statements is correct?

- (A) The presumption under Section 113-A of the Indian Evidence Act would be attracted, if the marriage of the accused and the deceased took place more than 7 years prior to the suicide of the woman and cruelty soon before death is established by the prosecution.
- (B) That because Section 113-A of the Indian Evidence Act is attracted to a case, the prosecution is not required to prove its case beyond reasonable doubt against the accused.
- (1) Statement (A).
(2) Statement (B).
(3) Both Statements (A) & (B).
(4) None of the above statements.

निम्न में से कौनसा कथन सही है?

- (अ) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113-क की उपधारणा आकर्षित होगी, यदि अभियुक्त तथा मृतका का विवाह महिला की आत्महत्या से 7 वर्षों से अधिक अवधि पूर्व हुआ हो एवं अभियोजन द्वारा मृत्यु से ठीक पूर्व क्रूरता स्थापित की गई है।
- (ब) चूंकि एक प्रकरण में भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113-क आकर्षित होती है, अतः अभियोजन से अभियुक्त के विरुद्ध अपना मामला युक्तियुक्त संदेह से परे साबित करना अपेक्षित नहीं होता है।
- (1) कथन (अ)
(2) कथन (ब)
(3) कथन (अ) एवं (ब) दोनों।
(4) उपरोक्त कथनों में से कोई नहीं।

49. Which of the following can not be a ground to deny bail to a person, who is apparently a child in conflict with law?

- (1) When the offence alleged against such person is a heinous offence and the child has been ordered to be tried as an adult under Section 18(3) of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act.
- (2) When there are reasonable grounds to believe that the child may come into association with known criminal if released on bail.
- (3) That the person may be exposed to moral, physical or psychological danger.
- (4) That the person released on bail would defeat the ends of justice.

निम्न में से कौनसा, एक व्यक्ति जो दृश्यमान रूप से विधि का उल्लंघन करने वाला बालक है, की जमानत से इंकार करने का एक आधार नहीं हो सकता है?

- (1) जब ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध आक्षेपित अपराध जघन्य प्रकृति का हो और बालक को धारा 18(3) किशोर न्याय बोर्ड द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत वयस्क के रूप में विचारित करने का आदेश दिया जा चुका हो।
- (2) जब यह विश्वास करने के युक्तियुक्त आधार हों कि यदि बालक को जमानत पर रिहा किया जाता है तो वह ज्ञात अपराधी के संसर्ग में आ सकता है।
- (3) उक्त व्यक्ति नैतिक, शारीरिक या मनोवैज्ञानिक रूप से खतरे में पड़ जायेगा।
- (4) उक्त व्यक्ति को जमानत पर रिहा करने से न्याय का उद्देश्य विफल हो जायेगा।

50. Kalu prosecutes Khema for stealing a car from him, Khema is convicted. Kalu afterwards sues Ganesh for the car which Khema had sold to him before his conviction. The Judgment of conviction of Khema in the suit between Kalu and Ganesh is:

- (1) Relevant.
- (2) Irrelevant.
- (3) Relevant only with prior permission of court.
- (4) None of the above.

खेमा का अभियोजन कालू इसलिये करता है कि उसने कालू की कार चुराई है। खेमा दोषसिद्ध किया जाता है। तत्पश्चात कालू उस कार के लिये, जिसे खेमा ने दोषसिद्ध होने से पूर्व गणेश को बेच दिया था, गणेश पर वाद लाता है। खेमा की दोषसिद्धि का उक्त निर्णय कालू और गणेश के वाद में;

- (1) विसंगत है।
- (2) सुसंगत है।
- (3) न्यायालय की पूर्व अनुमति से ही सुसंगत है।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

51. Which provision of Cr.P.C. provides protection against double jeopardy?

- (1) Section 305
- (2) Section 300
- (3) Section 188
- (4) Section 203

दण्ड प्रक्रिया संहिता का कौनसा प्रावधान दोहरे अभियोजन के विरुद्ध संरक्षण प्रदान करता है?

- (1) धारा 305
- (2) धारा 300
- (3) धारा 188
- (4) धारा 203

52. In which judgment, the Hon'ble Supreme Court laid down that a complaint based on a second or successive dishonour of cheque is maintainable, if no complaint based on an earlier dishonour of cheque followed by statutory notice issued on the basis thereof had been filed;

- (1) (2013) 1 SCC 177, M.S.R. Leathers Vs. S. Palaniappan & Anr.
- (2) (1998) 6 SCC 514, Sadanandan Bhadrans Vs. Madhavan Sunil Kumar.
- (3) (1999) 4 SCC 567, Sil Import USA Vs. Exim Aides Silk Exporters Bangalore.
- (4) (2004) 13 SCC 498, Krishna Exports & Ors. Vs. Raju Das.

किस निर्णय में माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया है कि यदि चैक के पूर्व अनादरण व इस हेतु जारी नोटिस के आधार पर कोई परिवाद प्रस्तुत नहीं किया गया हो तो चैक के द्वितीय अथवा पश्चातवर्ती अनादरण होने के आधार पर परिवाद पोषणीय है;

- (1) (2013) 1 एस.सी.सी. 177, एम.एस.आर. लेदर्स बनाम एस. पलनीअप्पन एवं अन्य।
- (2) (1998) 6 एस.सी.सी. 514, सदानंदन भद्रां बनाम माधवन सुनील कुमार।
- (3) (1999) 4 एस.सी.सी. 567, सिल इम्पोर्ट यू.एस.ए. बनाम एग्जिम एडस सिल्क एक्सपोर्टर्स बैंगलोर।
- (4) (2004) 13 एस.सी.सी. 498, कृष्णा एक्सपोर्टस एवं अन्य बनाम राजू दास।

53. Under which provision of law, the Sessions Court can make a reference to the High Court regarding the validity of any Act, Ordinance or Regulation, the determination of which is necessary for the disposal of the case?

- (1) Section 396 of Cr.P.C.
- (2) Section 368 of Cr.P.C.
- (3) Section 366 of Cr.P.C.
- (4) Section 395 of Cr.P.C.

विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत एक सेशन न्यायालय किसी अधिनियम, अध्यादेश अथवा विनियम की विधिमान्यता के संबंध में उच्च न्यायालय को रेफरेंस कर सकता है, जिसका अवधारण मामले को निपटाने के लिये आवश्यक है?

- (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 396
- (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 368
- (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 366
- (4) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 395

54. Which of the following provisions of Indian Evidence Act permits evidence recorded in one case to be considered relevant in a subsequent proceeding?

- (1) Section 32
- (2) Section 37
- (3) Section 38
- (4) Section 33

भारतीय साक्ष्य अधिनियम का निम्न में से कौनसा प्रावधान यह अनुमति देता है कि एक प्रकरण में लेखबद्ध की गई साक्ष्य को पश्चातवर्ती कार्यवाही में सुसंगत समझा जाएगा?

- (1) धारा 32
- (2) धारा 37
- (3) धारा 38
- (4) धारा 33

55. Under which provision of law, can a court direct any person to write any words or figures for comparison of handwriting?

- (1) Section 91 of Cr.P.C.
- (2) Section 54-A of Cr.P.C.
- (3) Section 73 of Indian Evidence Act.
- (4) Section 311 of Cr.P.C.

विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत, एक न्यायालय हस्तलेख के मिलान के लिए किसी व्यक्ति को किन्ही शब्दों अथवा अंकों को लिखने का निर्देश दे सकता है?

- (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 91 के अन्तर्गत।
- (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 54-क के अन्तर्गत।
- (3) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 73 के अन्तर्गत।
- (4) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 311 के अन्तर्गत।

56. Which provision of Cr.P.C. empowers a criminal court to recall and re-examine witnesses in a criminal case?

- (1) Section 217
- (2) Section 311
- (3) Both (1) & (2)
- (4) None of above

दण्ड प्रक्रिया संहिता का कौनसा प्रावधान एक दण्डिक न्यायालय को, एक आपराधिक प्रकरण में साक्षियों को पुनः बुलाने और पुनः परीक्षा करने हेतु सशक्त करता है?

- (1) धारा 217
- (2) धारा 311
- (3) (1) एवं (2) दोनों।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

57. In which of the following cases, did the Hon'ble Supreme Court decide the issue of territorial jurisdiction of the court to entertain a complaint under the Negotiable Instruments Act in reference to the Amending Ordinance of 2015?

- (1) (2016) 2 SCC 75, Bridgestone India Pvt.Ltd. Vs. Inderpal Singh
- (2) (2016) 11 SCC 105, K.S.Joseph Vs. Philip Carbon Black Ltd. & Ors.
- (3) (2016) 1 SCC (Cri) 173, Ultratech Cement Ltd. Vs. Rakesh Kumar Singh & Anr.
- (4) None of the above.

निम्न में से कौनसे मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत न्यायालय के परिवाद ग्रहण करने के स्थानीय क्षेत्राधिकार के बिन्दु को संशोधन अध्यादेश, 2015 के परिप्रेक्ष्य में निर्णित किया?

- (1) (2016) 2 एस.सी.सी. 75, ब्रिजस्टोन इण्डिया प्रा. लि. बनाम इन्दरपाल सिंह।
- (2) (2016) 11 एस.सी.सी. 105, के. एस. जोसेफ बनाम फिलिप कार्बन ब्लैक लि. एवं अन्य।
- (3) (2016) 1 एस.सी.सी. (क्रिमिनल) 173, अल्ट्राटेक सीमेंट लि. बनाम राकेश कुमार सिंह एवं अन्य।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

58. The right of private defence of the body does not extend to voluntary causing of death or of any other harm to the assailant, if the offence which occasions the exercise of the right to be of any of the descriptions hereinafter enumerated;

- (1) An assault with the intention of committing rape.
- (2) An assault with the intention of kidnapping or abducting.
- (3) An assault with the intention of wrongfully confining a person under circumstances which may reasonably cause him to have recourse to the public authorities for his release.
- (4) An assault of causing of grievous hurt on provocation.

शरीर की निजी प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार हमलावर की स्वेच्छया मृत्यु कारित करने अथवा कोई अन्य अपहानि करने की सीमा तक नहीं होता है, यदि वह अपराध, जिसके कारण उस अधिकार के प्रयोग का अवसर आता है, एतस्मिन् पश्चात् प्रगणित प्रकारों में से किसी भी प्रकार का है;

- (1) बलात्संग करने के आशय से किया गया हमला।
- (2) व्यपहरण या अपहरण करने के आशय से किया गया हमला।
- (3) इस आशय से किया गया हमला कि किसी व्यक्ति का ऐसी परिस्थितियों में सदोष परिरोध किया जाये, जिससे उसे युक्तियुक्त रूप से आशंका हो कि वह अपने को छुड़वाने के लिए लोक प्राधिकारियों की सहायता प्राप्त कर सकेगा।
- (4) प्रकोपन पर गंभीर उपहति कारित करने हेतु हमला।

59. A trial court in State of Rajasthan delivers its judgment in English. Under which provision of law, can the accused seek a translated copy of the judgment in Hindi language?

- (1) Section 353 of Cr.P.C.
- (2) Section 362 of Cr.P.C.
- (3) Section 364 of Cr.P.C.
- (4) Section 363 of Cr.P.C.

राजस्थान राज्य में एक विचारण न्यायालय अपना निर्णय अंग्रेजी में पारित करता है। विधि के किस प्रावधान के अंतर्गत, अभियुक्त इस निर्णय की हिन्दी भाषा में रूपान्तरित प्रति मांग सकता है?

- (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 353
- (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 362
- (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 364
- (4) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 363

60. Under which provision of law, a sentence of death passed by the Sessions Court is subject to confirmation by the High Court?

- (1) Section 369 of Cr.P.C.
- (2) Section 367 of Cr.P.C.
- (3) Section 366 of Cr.P.C.
- (4) Section 370 of Cr.P.C.

विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत, सेशन न्यायालय के द्वारा पारित मृत्यु दण्डादेश उच्च न्यायालय से पुष्टि के अध्वधीन होता है?

- (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 369
- (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 367
- (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 366
- (4) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 370

61. Which of the following irregularities vitiate the proceedings, if any Magistrate not being empowered by law in this behalf, does any of the following things?

- (1) Makes an order under Section 133 of Cr.P.C. as to a local nuisance.
- (2) Makes an order under Part C or Part D of Chapter X of Cr.P.C.
- (3) Holds an inquest under Section 176 of Cr.P.C.
- (4) Makes an order for maintenance.

निम्न में से कौनसी अनियमितताएं कार्यवाहियों को दूषित करती हैं, यदि कोई मजिस्ट्रेट जो निम्नलिखित बातों में से कोई बात विधि द्वारा इस निमित्त सशक्त न होते हुए, करता है;

- (1) स्थानीय न्यूसेंस के बारे में धारा 133 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन आदेश देना।
- (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता के अध्याय 10 के भाग ग अथवा भाग घ के अधीन आदेश देना।
- (3) धारा 176 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन मृत्यु-समीक्षा करना।
- (4) भरण-पोषण के लिए आदेश देना।

62. The trial court while recording evidence in a case wherein the accused is in custody, records the evidence of witnesses without ensuring presence of the accused in the court, which of the following statement would be correct?

- (1) The judgment passed by trial court in such proceedings would be vitiated by virtue of Section 273 (1) of Cr.P.C.
- (2) The judgment passed by trial court in such proceedings would be saved by virtue of Section 460 of Cr.P.C.
- (3) The judgment passed by trial court in such proceedings would be saved by virtue of Section 465 of Cr.P.C.
- (4) The judgment passed by trial court in such proceedings would be saved by virtue of Section 317 of Cr.P.C.

ऐसे मामले में, जहां अभियुक्त अभिरक्षा में है, विचारण न्यायालय साक्ष्य लेखबद्ध करते समय, अभियुक्त की उपस्थिति न्यायालय में सुनिश्चित किये बिना साक्षियों की साक्ष्य लेखबद्ध करता है, निम्न में से कौनसा कथन सही होगा?

- (1) धारा 273 (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता के आधार पर ऐसी कार्यवाहियों में विचारण न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दूषित होगा।
- (2) धारा 460 दण्ड प्रक्रिया संहिता के आधार पर ऐसी कार्यवाहियों में विचारण न्यायालय द्वारा पारित निर्णय संरक्षित होगा।
- (3) धारा 465 दण्ड प्रक्रिया संहिता के आधार पर ऐसी कार्यवाहियों में विचारण न्यायालय द्वारा पारित निर्णय संरक्षित होगा।
- (4) धारा 317 दण्ड प्रक्रिया संहिता के आधार पर ऐसी कार्यवाहियों में विचारण न्यायालय द्वारा पारित निर्णय संरक्षित होगा।

63. Which provision stipulates that lunatic can be a competent witness?

- (1) Section 84 of Indian Penal Code
- (2) Section 118 of Indian Evidence Act
- (3) Section 119 of Indian Evidence Act
- (4) None of the above.

कौनसा प्रावधान यह उपबंधित करता है कि पागल व्यक्ति एक सक्षम साक्षी हो सकता है?

- (1) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 84
- (2) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 118
- (3) भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 119
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

64. In which of the following judgments, the Hon'ble Supreme Court held that where an act of domestic violence commenced prior to the enactment of The Protection of Women from Domestic Violence Act and continued even thereafter also, in such a situation, the aggrieved person is entitled to protection of the Act?

- (1) (2014) 3 SCC 712, Sarswathy Vs. Babu.
- (2) (2015) 2 SCC 145, Meena Chaudhary Vs. Commissioner of Delhi Police.
- (3) (2013) 15 SCC 755, Indra Sarma Vs. V.K.V. Sarma.
- (4) None of the above.

निम्न निर्णयों में से किसमें, माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया है कि जहां घरेलू हिंसा का एक कृत्य घरेलू हिंसा से स्त्री का संरक्षण अधिनियम के प्रवृत्त होने से पूर्व आरम्भ हुआ तथा इसके पश्चात भी जारी रहा है, ऐसी स्थिति में व्यथित व्यक्ति इस अधिनियम का संरक्षण प्राप्त करने का अधिकारी है?

- (1) (2014) 3 एस.सी.सी. 712, सरस्वती बनाम बाबू।
- (2) (2015) 2 एस.सी.सी. 145, मीना चौधरी बनाम पुलिस कमिश्नर, दिल्ली।
- (3) (2013) 15 एस.सी.सी. 755, इन्द्र सर्मा बनाम वी. के. वी. सर्मा।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

65. Under which provision is the Court acquitting the accused, required to take a bond from him/her for appearance in the higher court?

- (1) Section 439 Cr.P.C.
- (2) Section 436-A Cr.P.C.
- (3) Section 436 Cr.P.C.
- (4) Section 437-A Cr.P.C.

किस प्रावधान के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा अभियुक्त को दोषमुक्त करते समय उसकी उच्चतर न्यायालय में उपस्थिति हेतु उससे बंधपत्र लेना अपेक्षित है?

- (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 439
- (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 436-क
- (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 436
- (4) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 437-क

66. Which of the following documents cannot be admitted in evidence in a criminal trial without formal proof?

- (1) Certified copies of public documents.
- (2) Report issued by a govt. scientist after chemical/serological examination of samples forwarded to him by the investigating agency.
- (3) A report issued by a govt. handwriting expert after comparison of the disputed signatures with an admitted signature.
- (4) A document which is admitted by the opposite party.

निम्न में से कौनसे दस्तावेज बिना औपचारिक सबूत के आपराधिक विचारण में साक्ष्य में ग्रहण नहीं किये जा सकते हैं?

- (1) लोक दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियां।
- (2) राजकीय वैज्ञानिक द्वारा, उसे अन्वेषण एजेन्सी द्वारा अग्रेषित किये गये नमूनों के रासायनिक/सीरम परीक्षण के पश्चात, जारी की गई रिपोर्ट।
- (3) राजकीय हस्तलेख विशेषज्ञ द्वारा विवादित हस्ताक्षरों को स्वीकृत हस्ताक्षर से मिलान करने के पश्चात जारी की गई रिपोर्ट।
- (4) एक दस्तावेज जिसे विरोधी पक्ष द्वारा स्वीकार किया गया है।

67. A Metropolitan Magistrate sentenced an accused of theft for three months simple imprisonment and a fine of Rs. 200/-. Accused can file an appeal against such judgment in;

- (1) The Court of Sessions.
- (2) The High Court.
- (3) The Court of Chief Metropolitan Magistrate.
- (4) No appeal can be filed.

एक महानगर मजिस्ट्रेट द्वारा चोरी के एक अभियुक्त को तीन माह के साधारण कारावास व दो सौ रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है। अभियुक्त द्वारा उक्त निर्णय की अपील की जा सकती है;

- (1) सेशन न्यायालय में।
- (2) उच्च न्यायालय में।
- (3) मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट के न्यायालय में।
- (4) अपील नहीं की जा सकती है।

68. Public servant "A" while discharging his official functions, issues a document with incorrect particulars knowing that by this action, he is likely to harm another public servant "B". The public servant "A" is responsible for which of the following offence?

- (1) Forgery.
- (2) Creating of false document.
- (3) Cheating.
- (4) None of the above.

"अ" एक लोक सेवक, अपने कार्यालयिक कार्यों के निर्वहन के दौरान यह जानते हुए कि उसके इस कार्य से दूसरे लोक सेवक "ब" को हानि कारित होना सम्भाव्य है, गलत विवरणों का एक दस्तावेज जारी करता है। लोक सेवक "अ" निम्न में से किस अपराध हेतु उत्तरदायी है?

- (1) कूटरचना।
- (2) मिथ्या दस्तावेज रचना।
- (3) छल।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

69. Under which provision of Cr.P.C., can a party approach an Executive Magistrate and pray for dropping of the proceedings initiated under Section 145 of Cr.P.C?

- (1) Section 145(2)
- (2) Section 146(1)
- (3) Section 148
- (4) Section 145(5)

दण्ड प्रक्रिया संहिता के किस प्रावधान के अंतर्गत, एक पक्षकार कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष धारा 145 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत शुरू की गई कार्यवाहियों को समाप्त करने की प्रार्थना कर सकता है?

- (1) धारा 145(2)
- (2) धारा 146(1)
- (3) धारा 148
- (4) धारा 145(5)

70. Under which provision of law, can the court award compensation to a person groundlessly arrested?

- (1) Section 349 of Cr.P.C.
- (2) Section 357 of Cr.P.C.
- (3) Section 358 of Cr.P.C.
- (4) None of the above.

विधि के किस प्रावधान के अन्तर्गत, न्यायालय बिना आधार गिरफ्तार किये गये एक व्यक्ति को प्रतिकर दिला सकता है?

- (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 349
- (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 357
- (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 358
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

71. Choose the correct Active voice sentence;

It is being said that too little money is being spent by the Government on roads.

- (1) People are saying that the Government is spending too little money on roads.
- (2) People were saying that too little money has been spent on roads by the Government.
- (3) People said that too little money spent by Government on roading.
- (4) People have said that Government have spend too little money on roads.

72. Fill in the blanks with the most appropriate option.

The last train _____ the station at 11.30 am.

- (1) will leaving
- (2) has been left
- (3) leaves
- (4) was left

73. Fill in the blanks with the most appropriate option.

The new witness _____ yesterday and the judge _____ the investigations early this morning.

- (1) arrived, started
- (2) arrived, starting
- (3) have arrived, would be start
- (4) had arrived, had start

74. The word similar in meaning to "Quote" is;

- (1) sight
- (2) sue
- (3) sigh
- (4) cite

75. Fill in the blanks with the most appropriate modal.

When I was a child, I _____ understand adults but now I don't.

- (1) do
- (2) should
- (3) could
- (4) must

76. Complete the following sentence with correct subordinating conjunction;

_____ he worked hard, he did not win.

- (1) However
- (2) Though
- (3) Nevertheless
- (4) Moreover

77. The synonym of "Advise" is;

- (1) Council
- (2) Counsel
- (3) Practice
- (4) Proposal

86. निम्न में से कौनसा अशुद्ध शब्द नहीं है?
- (1) प्रमाणिक
 - (2) रचियता
 - (3) कवियत्री
 - (4) अन्त्याक्षरी
87. किस स्थिति में अवतरण चिह्न का प्रयोग सामान्यतः नहीं होता है?
- (1) किसी के महत्त्वपूर्ण वचन उद्धृत करने में।
 - (2) अप्रचलित अथवा विशेष प्रचलित शब्दों में।
 - (3) व्यक्तियों के उपनामों में।
 - (4) रचना का अनुवाद करते हुए।
88. किस शब्द का संधि-विच्छेद त्रुटिपूर्ण है?
- (1) अभीष्ट - अभि + इष्ट
 - (2) वाङ्मय - वाक् + मय
 - (3) अब्ज - अप् + ज
 - (4) महैश्वर्य - महा + एश्वर्य
89. निम्न में से कौनसा, वचन संबंधी त्रुटि वाला वाक्य है?
- (1) महात्मा जी का दर्शन करके मैं धन्य हो गया।
 - (2) श्रोताओं में कई श्रेणियों के लोग थे।
 - (3) विद्रोहियों को कुत्तों की तरह घसीटा गया।
 - (4) हर एक ने टोपी पहन रखी थी।
90. निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्द पर्यायवाची हैं?
- (1) विभावरी, निशाचरी, रजनी
 - (2) मधुकरी, भिक्षा, भीख
 - (3) मान, सम्मान, मान्य
 - (4) अंबुधि, अर्णव, नीरद
91. किस मुहावरे का अभिप्राय गलत है?
- (1) आकाश के तारे तोड़ लाना - असंभव कार्य कर डालना।
 - (2) आँख का काजल चुरा लेना - बड़ी बारीकी से चोरी करना।
 - (3) द्रौपदी का चीर होना - कभी समाप्त न होने वाली।
 - (4) ताल कटना - संगीत में बाधा उपस्थित होना।
92. 'अपने घर, गाँव या नगर में किसी का आदर नहीं होता', अभिव्यक्ति हेतु निकटतम लोकोक्ति है-
- (1) घर की खाँड किरकिरी, बाहर का गुड़ मीठा।
 - (2) घर के पीरों को तेल का मलीदा।
 - (3) घर की बिल्ली घर में ही शिकार।
 - (4) घर आये नाग न पूजिए, बामी पूजन जाय।
93. 'रोगी को बहुत घबराहट हो रही थी'। वाक्य में रेखांकित शब्द है;
- (1) संज्ञा
 - (2) क्रिया
 - (3) क्रिया विशेषण
 - (4) अव्यय

94. 'वह आदमी आ रहा है', वाक्य में 'वह' की व्याकरणिक कोटि है;

- (1) संज्ञा
- (2) सर्वनाम
- (3) विशेषण
- (4) अव्यय

95. 'नौकर चिट्ठी लाया', वाक्य में क्रिया है;

- (1) अकर्मक
- (2) सकर्मक
- (3) पूर्वकालिक
- (4) प्रेरणार्थक

96. 'कसौटी' शब्द है;

- (1) तत्सम
- (2) तद्भव
- (3) देशज
- (4) विदेशी

97. निम्न में से कौनसा 'नि' उपसर्ग से निर्मित शब्द है?

- (1) निरपराध
- (2) निराकार
- (3) न्यून
- (4) निर्मम

98. निम्न में से कौनसा वाक्य अशुद्ध है?

- (1) वह क्रोध में भरकर चिल्लाने लगा।
- (2) अब मेरी बात मान लो।
- (3) वह राम का नाम लेकर चल पड़ा।
- (4) धन से रहित जीवन व्यर्थ है।

99. निम्न में से कौनसा सही विलोम वर्ग नहीं है?

- (1) भिन्न - अनभिन्न
- (2) विधवा - सधवा
- (3) वाचाल - मूक
- (4) नैसर्गिक - कृत्रिम

100. निम्न में से कौनसा शब्द-युग्म अर्थ की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है?

- (1) निर्झर - झरना
निर्जर - देवता
- (2) प्रसाद - कृपा
प्रासाद - महल
- (3) षष्टि - छह
षष्ठी - साठ
- (4) अभिराम - सुंदर
अविराम - लगातार

Space for Rough Work

CONFIDENTIAL
SEAL